18.12.24

पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता वादी व वादीगण के नाम से अलग-अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता वादी एवं वादीगण अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं है।

लिहाजा वादी का वाद 'अदम पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो व नंबर से कम हो।

18/12/

सहायक कल...

(फास्ट ट्रेक) ...